

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी (नैनीताल)।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक : 07 अगस्त, 2016

विषय: श्री सुरेन्द्र शर्मा, अनुदेशक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान(युवक), देहरादून की माता जी के 'Tumer' नामक रोग की चिकित्सा प्रतिपूर्ति की कार्योत्तर एवं वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 10236-37/डीटीईयू/0202/चि0प्रति0/08/2015 दिनांक 23.07.2016 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री सुरेन्द्र शर्मा, अनुदेशक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान(युवक), देहरादून की माता श्रीमती सरीता देवी के 'Tumer' नामक रोग 'राजीव गांधी कैंसर इन्सटीट्यूट एण्ड रिसर्च रोहणी, नई दिल्ली में दिनांक 25.05.2015 से 08.06.2015 तक उपचार पर हुए व्यय धनराशि ₹1,88,528.00/- (रु0 एक लाख अट्ठासी हजार पांच सौ अठ्ठाईस मात्र) की महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून द्वारा नियमानुसार प्रतिहस्ताक्षरित/संस्तुत धनराशि की प्रतिपूर्ति, शासनादेश दिनांक 04.9.2006 में निहित प्राविधानों/शर्तों के अधीन कार्योत्तर तथा वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- यह भी निर्देशित किया जाता है कि प्रकरण में वित्त (वे.आ.-सा.नि.) अनुभाग-07, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 286/XXVII(7)09(II)/2011 दिनांक 30.12.2011 एवं समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में निहित व्यवस्था/प्राविधानों के अनुसार अपने स्तर से अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

3- सुनिश्चित कर लिया जाय कि पूर्व में अथवा अन्य स्रोतों से भुगतान नहीं किया गया है, तदनुसार चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा शासनादेश दिनांक 04.9.2006 में निहित प्राविधानानुसार, नियमानुसार देय है।

4- साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त प्रतिपूर्ति दावे के संबंध में यदि कोई अग्रिम दिया गया हो तो उसका समायोजन नियमानुसार कर लिया जाय।

5- यह अनुमति उक्त संस्थान में कराये गये उपचार की उक्त अवधि के लिये ही मान्य होगी। तदनुसार आपके उक्त संदर्भित पत्र दिनांक 23-07-2015 के साथ प्राप्त अभिलेखों को मूल रूप में अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु वापस किये जा रहे हैं।

6- इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 के 'अनुदान संख्या-16' के 'आयोजनेत्तर पक्ष' के अधीन 'लेखाशीर्षक' 2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण आयोजनेत्तर, 003-दस्ताकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्ताकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान के मानक मद संख्या 27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक : यथोपरि(बीजकमूल रूप में)।

भवदीय,


(ओम प्रकाश)
प्रमुख सचिव।

संख्या : चि0प्रति0-463 (1)/ XII-1 /2016-चि0प्रति0 31(प्रशि0)/2016 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1). महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2). निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3). वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, हल्द्वानी/देहरादून।
- 4). वरिष्ठ वित्त अधिकारी, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन को सूचनार्थ एवं इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उपरोक्त प्रकरण पर कार्यवाही करते हुये कृत कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराने का कष्ट करें।
- 5). प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान(यु0), देहरादून।
- 6). वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 7). श्री सुरेन्द्र शर्मा, अनुदेशक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान(यु0), देहरादून।
- 8). एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
- 9). चिकित्सा प्रतिपूर्ति से संबंधित गार्ड फाइल हेतु।

आज्ञा से,


(गोविन्द सिंह बिष्ट)
उप सचिव।